Regarding concession to Senior Citizens in Railways

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : माननीय सभापति महोदय, वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे टिकट में मिलने वाली रियायत के संबंध में, मैं शून्य काल के दौरान अपनी बात कहना चाहती हूँ ।

महोदय, मार्च, 2020 तक भारतीय रेलवे के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को टिकट में रियायत मिलती थी । लेकिन मार्च, 2020 के बाद से यह रियायत बंद कर दी गई है । पूर्व में 60 साल से ऊपर के पुरुषों को 40 प्रतिशत और 58 साल की आयु की महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट टिकट में मिलती थी । यह छूट मेल, एक्सप्रेस, राजधानी, शताब्दी और दूरन्तो जैसी ट्रेन्स में मिलती थी । इससे लाखों वरिष्ठ नागरिकों को सहायता मिलती थी । कोविड के बाद से यह प्रावधान बंद कर दिया गया है । लेकिन कोविड के बाद अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं । अभी परिस्थिति बिल्कुल नॉर्मल हो गई है । ऐसे समय में, जब वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन और उनकी आय बहुत कम है, मैं आपके माध्यम से यह सूचित करना चाहती हूं कि उनको अपने परिजनों से मिलने जाना होता है, धार्मिक यात्राओं पर जाना होता है, बीमारियों का इलाज कराने के लिए जाना होता है । अत: उनको इन सब कार्यों के लिए ऐसा होने से फायदा हो सकता है ।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि वरिष्ठ नागरिकों को मिलनी वाली राहत दोबारा शुरू कर दी जाए, चाहे तो आप हम, मेंबर्स ऑफ पार्लियामेंट को मिलने वाली राहत बंद कर दीजिए, लेकिन नागरिकों को राहत दीजिए । मेरा आपके माध्यम से सरकार से यही निवेदन है ।

धन्यवाद ।